an>

Title: Regarding need to augment railway services and passenger facilities in Barmer Parliamentary Constituency,Rajasthan.

**कर्नल सोनाराम चौधरी (बाड़मेर) :** मेरा संसदीय क्षेत्र अभावग्रस्त एवं मरूस्थलीय क्षेत्र है। अब तक लोग जीविका हेतु मजदूरी एवं व्यापार के लिए दक्षिणी एवं उत्तरी भारत के महानगरों पर निर्भर थे और कई तो वहाँ के स्थायी निवासी भी हो गए। मारवाड़ी समूचे हिन्दुस्तान ही नहीं अपितु विश्व में छाये हुए हैं लेकिन अभी भी सांस्कृतिक परंपराओं एवं संस्कारों के कारण अपनी जन्मभूमि से जुड़े हैं। यहाँ अब प्रचुर मात्रा में प्राकृतिक संपदा के रूप में तेल, कोयला, लिग्नाईट, स्टील बेस लाइम, बेटोनाइट जिप्सम ग्रेनाइट आदि का भण्डार मिला है। इसी वजह से यहाँ भी औद्योगिक ईकायाँ स्थापित हो रही हैं। बाड़मेर औद्योगिक रूप से विश्व पटल पर उभर रहा है एवं जैसलमेर पर्यटन के क्षेत्र में अपना महत्वपूर्ण स्थान रखता है। सीमा से सटे होने के कारण एयरफोर्स, सेवा एवं बी.एस.एफ, के जवानों का आवागमन भी इसी क्षेत्र में होता रहा है, फिर भी इस क्षेत्र में रेलवे की सुविधाएं नाममात्र की हैं।

बाड़मेर-जैसलमेर दोनों सीमान्त जिले होने के अलावा समुद्री बन्दरगाह के निकट पड़ता है। अतः प्राकृतिक सम्पदा का निर्यात करने के लिए जैसलमेर-बाडमेर-अहमदाबाद-कांडला का रेलवे लाइन से जोड़ना नितान्त आवश्यक है। इस मार्ग का वÂाव्न 2000-2001 में रेलवे विभाग द्वारा सर्वे कराया गया था जिसमें स्टेशन एवं मार्ग भी चिन्हित कर दिये गये थे परंतु बजट का प्रावधान नहीं हो पाया।

बाड़मेर-जैसलमेर जिले के साथ ही मार्ग में जालोर का कुछ हिस्सा आता है जिसकी जनसंख्या करीब 22 लाख है। साथ ही यहाँ से थलसेना, वायुसेना, पैरामिलिट्री फोर्सेज का पड़ाव इस सीमांत क्षेत्र में हमेशा रहता है। वर्तमान में रेल सेवाएं भी पर्याप्त नहीं हैं।

बाड़मेर एवं जैसलमेर से दक्षिणी व उत्तरी भारत को रेल सेवाओं से सीधा जोड़ा जाए ताकि लोगों को आवागमन में सुविधा हो और व्यापारियों को माल ट्रांसपोर्टेशन में भी पैसा एवं समय दोनों की बचत होगी। जोधपुर रेलवे मुख्यालय पर जमीन की कमी होने के कारण यहाँ यात्री रेल गाड़ियों को रोकने, उनकी सफाई एवं मेन्टीनेन्स करने में परेशानी आ रही है। ऐसी स्थिति में बाड़मेर स्टेशन जहाँ पर्याप्त मात्रा में रेलवे के पास भूमि उपलब्ध है, वहां लोकोशेड एवं पार्किंग का निर्माण करवाया जाए तो कई गाड़ियों को बाड़मेर रोका जा सकता है। इससे दोहरा लाभ होगा। एक तो जोधपुर पर दबाव नहीं रहेगा। दूसरे, बाड़मेर की जनता को पर्याप्त गाड़ियां भी मिल जायेंगी।

मण्डोर एक्सप्रेस (जोधपुर-दिल्ली-जोधपुर), सूर्यनगरी एक्सप्रेस (जोधपुर-बान्द्रा-जोधपुर), जोधपुर-जयपुर एक्सप्रेस, दिल्ली-सुजानगढ़-भगत की कोठी (14705-06) को बाड़मेर तक बढ़ाकर बाड़मेर में पार्क किया जावे तथा गुवाहाटी एक्सप्रेस, यशवन्तपुरम एक्सप्रेस के फेरे बढ़ाये जाए। साथ ही मालाणी एक्सप्रेस (जैसलमेर-बाड़मेर-दिल्ली) में साधारण कोच की संख्या बढ़ाई जावे।

अतः मेरा सरकार से अनुरोध है कि वाणिज्यिक, सामरिक एवं सुरक्षा की दÂिट से उक्त की व्यवस्था की जाती है तो विभाग एवं आम जनता के हित में होगा।